2

मलेरिया की जांच एवं इलाज

fhindia
Family Health India

Godrej
embed
Elimination of Mosquito Borne Endemic Diseases

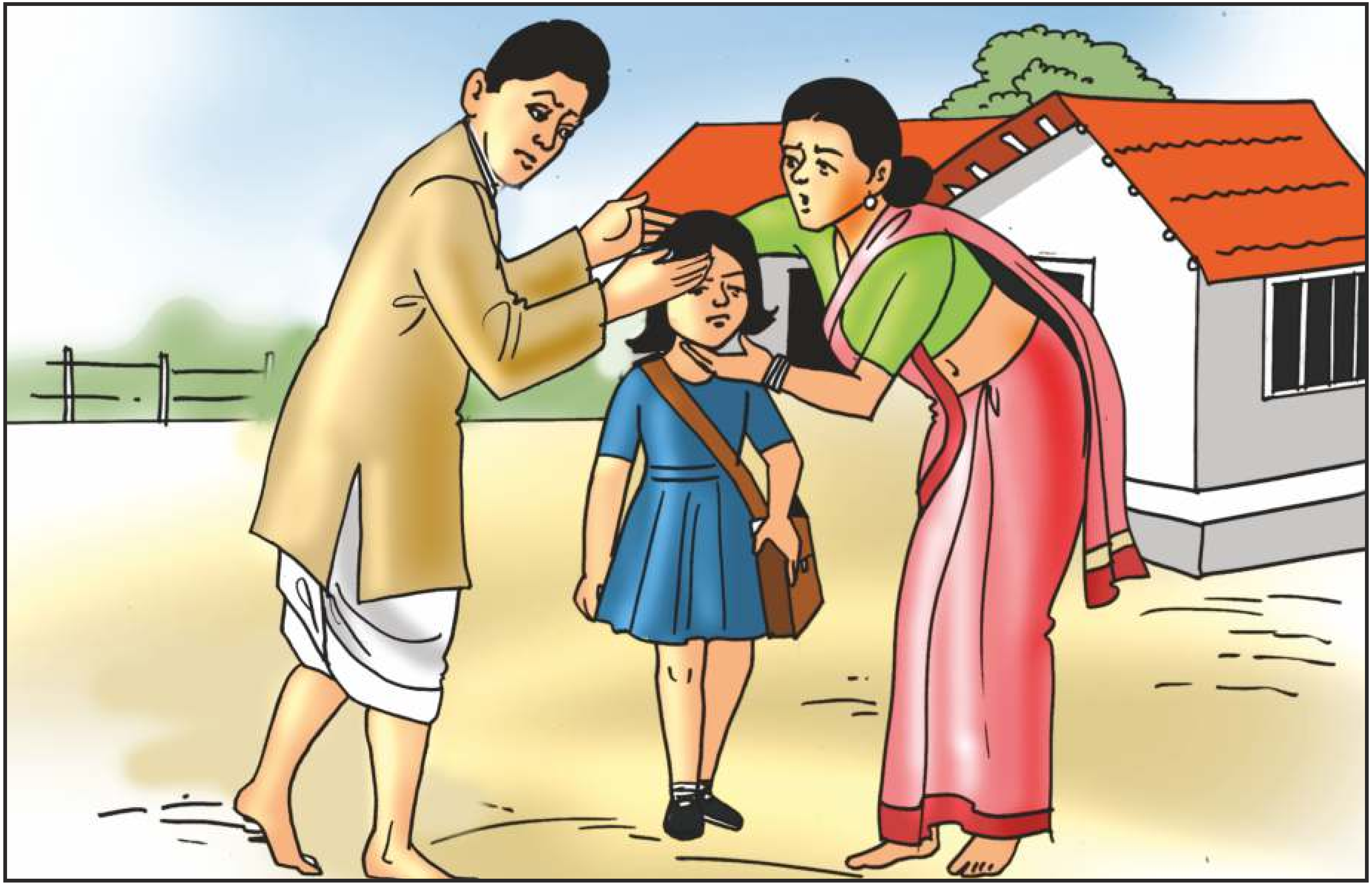

केस स्टडीः तारा

इन पर चर्चा करें

तारा एक खुशमिजाज और फुर्तीली बच्ची है। एक दिन जब वह स्कूल से घर लौटी तो उसने थकान की शिकायत की। उसके पिताजी ने उसका माथा छुआ तो पाया कि उसे बुखार है! उन्हें क्या करना चाहिए?

आपको क्या लगता है कि तारा को क्या हुआ है?

क्या बुखार चिंता का कारण है?

तारा के माता-पिता को क्या करना चाहिए?

महत्वपूर्ण संदेश

बुखार मलेरिया का सामान्य लक्षण है।

अगर समय रहते मलेरिया का सही इलाज न हो तो ये खतरनाक हो सकता है!

तारा के माता-पिता को उसकी खून की जांच करानी चाहिए।

बुखार आने के 24 घंटे के भीतर खून की जांच होनी चाहिए।

हम कैसे पता करते हैं कि मलेरिया हुआ है?

इन पर चर्चा करें

हम कैसे पता लगा सकते हैं कि तारा को मलेरिया है ?

क्या तारा के माता-पिता को जांच के लिए कुछ खर्च करना होगा ?

महत्वपूर्ण संदेश

खून की जांच से पता चल सकता है कि तारा को मलेरिया है या नहीं और अगर है तो ये मलेरिया का कितना गंभीर रूप है!

आशा या पी.एच.सी. के डॉक्टर खून की जांच करके बता सकते हैं कि तारा मलेरिया के कौन से प्रकार से पीड़ित है।

आशा के पास और पी.एच.सी. में खून की जांच मुफ्त होती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

मलेरिया का इलाज

इन पर चर्चा करें

अब जबकि जांच से पता चल गया है कि तारा को मलेरिया है, उसके माता-पिता चिंतित हैं कि वे क्या कर सकते हैं और वह डॉक्टर से सलाह लेते हैं?

महत्वपूर्ण संदेश

- ऐसे लोग जिनकी बीमारी सही समय पर पकड़ में आ जाती है, सरकारी अस्पताल में इलाज से बहुत जल्दी ठीक हो जाते हैं!
- यदि तारा को कोई परेशानी होती है तो उसे लेकर कभी भी अस्पताल जाया जा सकता है!
- ध्यान रहे, बच्चों की दवाएं वयस्कों की दवाओं से अलग होती हैं और उनका कोर्स पूरा करना ज़रूरी होता है।

1

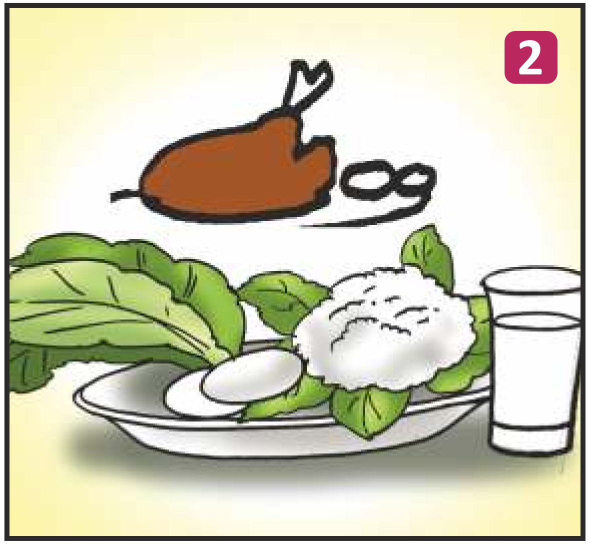
2

3

नियम पालन

इन पर चर्चा करें

अब जबकि परिवार मान चुका है कि तारा को इलाज लेना चाहिए, वे उन बातों पर चर्चा करते हैं जिन्हें डॉक्टर ने याद रखने को कहा था!

क्या आप ऐसी कुछ बातों की सूची बना सकते हैं जिनका मलेरिया के इलाज के दौरान ध्यान रखा जाना चाहिए?

महत्वपूर्ण संदेश

जब तक डॉक्टर ने बताया है, उसे तब तक दवाएं लेनी चाहिए।

तारा को पौष्टिक खाना मिलना ही चाहिए। दूध, सब्जियां, चावल और रोटी उसके खाने में शामिल होने चाहिए। पक्का करें कि वो पूरा दिन बहुत सा पानी व अन्य पेय पदार्थ ले। खाली पेट दवा न ले।

जब तक तारा ठीक नहीं हो जाती, उसे आराम करना चाहिए।

अगर वो बीच में बेहतर महसूस करने लगे, तब भी उसे दवाएं जारी रखनी चाहिए। अगर वो बीच में दवाएं छोड़ दे तो बीमारी ज़्यादा गंभीर रूप लेकर आ सकती है!

24 घंटे के भीतर कोई सुधार न दिखे तो उन्हें आशा या पी.एच.सी. में संपर्क करना चाहिए।

अगर तारा उनींदी रहे, बहुत अधिक उल्टियां हों या ऐंठन हो तो उसे अस्पताल लेकर जाना ही चाहिए।

इन पर चर्चा करें

विकल्प 1- चूड़ियों वाला खेल
कांच की चूड़ियों को तीन या अधिक टुकडों में तोड़ लें और हर हिस्से को अलग रखें।

भाग लेने वालों को छोटे-छोटे समूहों में बांटें। समूहों को चूड़ियों के टुकड़े दें। हर सेट से एक या दो टुकड़े अपने पास रखें।

नीचे दिए गए निर्देश दें-

- हम चूड़ियों के टुकड़ों से एक आसान सा खेल खेलेंगे।
- दिए गए टुकड़ों से एक सही गोला बनाने वाला समूह जीत जाएगा।

विकल्प 2- वाक्य पूरे करें
नीचे दिए गए निर्देश दें-

- मैं एक वाक्य शुरू करूंगा/करूंगी जो आपको पूरा करना है।
- उदाहरणार्थ- नदी.................से भरी हुई है (मछली/ पानी)

अब वाक्य के बोल्ड किए हुए हिस्सों को पढ़ें और प्रतिभागियों से इन्हें पूरा करने को कहें

- **अगर आपको बुखार है तो आशा से.................घंटे के भीतर जांच के लिए मिलें।** (24)
- **जांच के बाद आशा आपको.............** (मलेरिया है या नहीं, इसकी रिपोर्ट देगी।)
- **इलाज असरदार हो, इसके लिए तीन बातों का ध्यान रखें............**(दवाओं का पूरा कोर्स, आराम और पौष्टिक आहार लें।)

महत्वपूर्ण संदेश

क्रियाकलाप में से उदाहरण लें और निम्न बिंदुओं के साथ समाप्त करें।

याद रहे

- बुखार मलेरिया का सामान्य लक्षण है।
- अगर आपके परिवार में किसी को बुखार है तो आशा या पी.एच.सी. से संपर्क करें और 24 घंटे के भीतर खून की जांच कराएं।
- अगर आपको मलेरिया है तो इलाज शुरू करें।
- जब तक डॉक्टर ने बताया है, तब तक दवाएं लेनी चाहिए।
- पौष्टिक खाना व ढेर सारा पेय लें। खाली पेट दवा न लें।
- आराम करें।
- 24 घंटे के भीतर कोइ सुधार न दिखे तो आशा या पी.एच.सी. से सम्पर्क करें।